

सोमो राज्यमादत्त 11, 4, 3, 3. Ait. Br. 7, 23, 8, 6, 12. ज्यैष्ठ्यं श्रैष्ठ्यं राज्यमा-  
धिपत्यम् Kūāṇḍ. Up. 5, 2, 6. Gegens. घाकिचन्य Spr. 3676. fg. 382. पप्र-  
च्छ कुशलं राज्ये राज्याश्रममुनिम् (d. i. राजानम्) Ragh. 1, 58. Varāṇ. Brh.  
S. 48, 47, 49, 7, 68, 6. सुख 70, 12, 74, 1, 77, 4. देवेषु über MBh. 1, 4160.  
त्रिषु लोकेषु 3910. पृथुस्तु विनयाद्वाज्यं प्राप्तवान् M. 7, 42. R. 1, 1, 86. रा-  
ज्यानि विनयात्प्रतिपोदरे Spr. 4621. Ragh. 4, 1. लाम Verz. d. Oxf. H.  
334, a, 17. त्याग 78, b, 23. एतदर्थं किं राज्यानि प्रशासति नराधिपाः R. 2,  
32, 24. 4, 8, 35. M. 9, 66. Hariv. 5243. क्रमप्राप्तं पितुः स्वं यो राज्यं समु-  
शास्ति ह MBh. 3, 2449. राज्यं रक्षितुम् R. 2, 73, 12. रक्षा Spr. 1206. राज्यं  
गृह्णाण भरत पितृपैतामहम् R. 2, 79, 5. बह्व R. 2, 79, 5. नन्दिप्रामे  
ऽकरोद्वाज्यम् so v. a. regierte R. 1, 1, 38. त्रिशद्वर्षसहस्राणि राज्यं कृत्वा  
42, 27. 7, 39, 19. Kathās. 30, 39. 62, 167. Mārk. P. 18, 2, 114, 18. fg. 133,  
5. त्रिशद्वर्षसहस्राणि राजा राज्यमकारयत् R. 1, 43, 9. 31, 20. राज्यमुपासि-  
त्वा 1, 93. राज्यं सुगन्धा विदधे स्वयम् R. 2, 242. पुत्रे राज्यं समाप्-  
त्य M. 9, 323. राज्ये सुतं कृत्वा Mārk. P. 109, 37. पुत्रमेकं राज्याय पालयेति  
नियुज्य R. 1, 33, 11. राज्ये सुग्रीवप्रतिपादनम् 3, 23, 1, 68. सो ऽचिराद्वाज्यते  
राज्यात् M. 7, 111. भंशयिष्यामि तं राज्यात् MBh. 3, 2253. राज्याद्युतः R.  
2, 97, 23. प्रद्युता राज्यात् 3, 33, 22. राज्यात्स्वादवरोपितः 4, 8, 20. राज्या-  
द्विवासितम् 2, 84, 4. विभव Kathās. 18, 405. विभूतयः Bhāg. P. 6, 15, 22.  
एतत्प्रदास्यामि राज्यार्थं ते Kathās. 29, 164. 175. 18, 402. मन्त्रमूल Spr.  
4692. निरुक्तकण्टक Pāṇāt. 202, 19. भेदकर Spr. 2230. राज्याभिषेक  
Verz. d. B. H. No. 897. राज्याभिषेकदीधिति Verz. d. Oxf. H. 272, b, No.  
643. राज्याभिषिक्त WEBER, Rāmāt. Up. 320. सप्ताङ्ग M. 9, 294. 296. Kām.  
Nīris. 4, 1. राज्याङ्ग AK. 2, 8, 4, 18. H. 714. शोच्यं राज्यमराजकम् (v. l. रा-  
ष्ट्रमराजकम्) Spr. 269. स्वानि राज्यानि मुख्यानि ऋद्धानि R. 7, 39, 7. रा-  
ज्यमेकशकरोच्चैः Spr. 1196. 2931, v. l. राज्यं Herrschaft des, ein von  
— beherrschtes Reich P. 6, 2, 130. ब्राह्मणं, क्षत्रियं Sch. रघुराज्याभिषेक  
Ragh. 3 in der Unterschr. भरतारक्षितं स्फीतं पुत्रराज्यम् R. 2, 32, 58. न  
शूद्रराज्ये निवसेन्नाधार्मिकजनावृते M. 4, 61. सुरं Herrschaft über R. 4,  
7, 3. त्रैलोक्यं Bhāg. 1, 35. पृथ्वी Kathās. 18, 178. काशि R. 7, 39, 19.  
अष्टवीराज्ये ऽभिषेक्तुम् Hit. 41, 1. सकलविक्रगराज्याभिषेक Pāṇāt. 138,  
18. अराज्या मे प्रभा मूढा भवन्ती Hariv. 1630. — Vgl. नरं, पृथिवीं,  
महां, यमं, पुत्रं, वेदं, समर्थं, स्वं.

1. राज्यकर (राज्य + 1. कर) adj. regierend MBh. 1, 1722.

2. राज्यकर (राज्य + 4. कर) m. der Tribut eines tributären Fürsten  
Kshīrīc. 7, 3.

राज्यकर्तृ R. 2, 67, 1 fehlerhaft für राजकर्तृ, wie die ed. Bomb. liest.

राज्यकृत् adj. regierend Spr. 2343 (Conj.).

राज्यतन्त्र n. sg. und pl. Regierungssystem, Regierung R. 2, 112, 25. R.  
Gorr. 2, 7, 19. Rāga-Tar. 4, 719. Mārk. P. 28, 2.

राज्यदेवी f. N. pr. der Mutter Bāṇa's Hall in der Einl. zu Vāsavad.  
12. राष्ट्रदेवी v. l. 80.

राज्यद्वय n. ein zur Herrschaft, insbes. zur Königsweihe erforderlicher  
Gegenstand; davon adj. मय dazu gehörend R. 2, 22, 28.

राज्यधर m. Regent, N. pr. eines Mannes Kathās. 43, 23, 59.

राज्यपाल m. N. pr. eines Fürsten REINAUD, Mém. sur l'Inde 263. रा-  
जपाल v. l.

राज्यलक्ष्मी f. Glanz der Regierung R. Gorr. 2, 91, 6. — Vgl. राजलक्ष्मी.

राज्यलीलाय (von राज्य + लीला) König spielen; davon लीलायित  
n. Königsspiel: तन्नापि देवैकाकी करम्भम् । राज्यलीलायितं राज्यधरो  
नाम विधेर्वशात् ॥ Kathās. 43, 59.

राज्यलोक Kathās. 42, 193 fehlerhaft für राजलोक.

राज्यवर्धन m. N. pr. zweier Fürsten: 1) eines Sohnes des Dama VP.  
333. Bhāg. P. 9, 2, 29. Mārk. P. 109, 4. fg. — 2) eines Sohnes des Pra-  
tāpaçīla oder Prabhākara vardhana Hall in der Einl. zu Vāsavad.  
12. 51. Journ. of the Am. Or. S. 6, 329, 2. 3. HIOUEN-THSANG I, 247 (hier  
fälschlich राजं).

राज्यश्री f. N. pr. einer Tochter Pratāpaçīla's Hall in der Einl. zu  
Vāsavad. 51. fg.

राज्यसेन m. N. pr. eines Fürsten von Nandīpura Verz. d. Oxf. H.  
133, b, 32.

राज्यस्थ adj. regierend, die Herrschaft führend Hariv. 5243 (राज्ये स्थि-  
ते नृपे die neuere Ausg.). R. 1, 39, 20. 2, 33, 18. Mārk. P. 7, 31.

राज्यस्थायिन् adj. dass. Pāṇāt. 4, 3, 135.

राज्यस्थिति f. Regierung Rāga-Tar. 1, 361.

राज्योपकरण n. pl. Reichsinsignien MBh. 9, 3494. — Vgl. राजोपकरण.

राटि (von रट्) f. Schlacht, Kampf H. 798. m. = शरारि ÇKDr. nach  
AK. 2, 3, 25; hier ist aber घाटि gemeint.

राटिका (vielleicht von रट्) f. s. मृगं (etwa die Gazellen zum Schreien  
veranlassend).

राटु m. N. pr. eines Lehrers Verz. d. Oxf. H. 33, b, 21.

राडि m. = शरारि ÇKDr. nach AK. 2, 3, 25; hier ist aber घाडि gemeint.

राठा f. 1) Schönheit, Pracht Trik. 3, 3, 118. H. 1512. an. 2, 131. Med.  
dh. 3. HAL. 2, 410. — 2) N. pr. einer Landschaft im westlichen Ben-  
galen und der Hauptstadt darin; = सुख H. an. Med. = देश Trik. — As.  
Res. 5, 36. 64. fg. Kathās. 74, 29. Z. d. d. m. G. 3, 163. राठाभिधानो ज-  
नपदः PRAB. 68, 16. गौडं राष्ट्रमनुत्तमं निरुपमा तत्रापि राठा पुरो 22, 13.  
दक्षिणं 20, 5. 23, 11. पुर Verz. d. Oxf. H. 261, a, 5. राठा COLEBR. Misc.  
Ess. II, 188. fg. दक्षिणराठा 189. es kommt auch die Form राठ vor,  
z. B. Verz. d. Oxf. H. 338, b, 22. COLEBR. Misc. Ess. II, 179; vgl. u. 2. घ-  
जय 2) c) und गोमुख 8) b).

राठीय adj. von राठा 2) Schol. zu PRAB. 22, 13. WILSON, Sel. Works  
I, 136. राठीय COLEBR. Misc. Ess. II, 189.

राण n. 1) Blatt. — 2) Pfauenschweif ÇABDĀRTHAK. bei WILSON.

राणक 1) Titel eines Commentars zum Tantravārttika Hall 170.  
183. 207. Verz. d. Oxf. H. 279, a, 29. — 2) f. राणिका Zügel Vāg. bei  
MALLIN. zu Çiç. 3, 56.

राणय m. Bein. Dāmodara's Verz. d. B. H. No. 934.

राणायनं m. patron. von राण gaṇa नडादि zu P. 4, 1, 99. राणायनीपुत्र  
m. N. pr. eines Lehrers LĀṬ. 6, 9, 16. राणायिनीपुत्र NIDĀNAS. 9, 1 in  
Ind. St. 1, 43. राणायनीसूत्र in einem SV. GĀNA (Tüb. Hdschr.).

राणायनीय m. pl. die Schule des Rāṇājāna Ind. St. 1, 43. 47. 33. 61.  
63. 3, 273. fg. COLEBR. Misc. Ess. I, 18. 326. n. sg. das Sūtra des Rā-  
ṇājāna Ind. St. 1, 30. m. N. pr. eines Lehrers Verz. d. Oxf. H. 33, b, 6.

राणाणनीय v. l.

राणायनीय m. N. pr. eines Lehrers Verz. d. Oxf. H. 33, b, 11.